CBSE Class 10 - Hindi B
Sample Paper 06 (2020-21)

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए

- इस प्रश्नपत्र में 2 खंड हैं खंड अ और खंड ब।
- खंड-अ में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड ब में कुल 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

जब लोग त्रस्त हों, पराजित हों या शोकग्रस्त हों तभी उन्हें हमारी सहानुभूति, सहायता या प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। उस समय उनका आत्मविश्वास लड़खड़ा जाता है। उस समय उनकी खिल्ली उड़ाने का या उनकी परेशानी का मजा लूटने का मोह हमें रोकना चाहिए और उन्हें सहारा देना चाहिए, उनकी हिम्मत बढ़ानी चाहिए। जो ऐसा करते हैं वे उनके हृदय में हमेशा के लिए स्थान प्राप्त कर लेते हैं, अपनी लोकप्रियता की परिधि विस्तृत करते हैं।

दूसरों के सुख-दुख में सच्चे अंतःकरण से दिलचस्पी लेना अच्छे संस्कार का लक्षण तो है ही, साथ ही व्यवहारकुशलता भी है जो लोगों को हमारी ओर आकर्षित करती है। हाँ, इसमें दिखावा, बनावटीपन और ऊपरी-ऊपरी शिष्टाचार नहीं होना चाहिए। जो भावना सच्ची होती है, हृदय से निकलती है, वही हृदय को बाँध भी सकती है।

I. पराजित, शोकग्रस्त तथा त्रस्त लोगों को सहानुभूति तथा सहायता की आवश्यकता होती है, क्यों?
   i. क्योंकि उनका सब कुछ लुट चुका होता है
   ii. क्योंकि वे अपने-आप खड़े नहीं हो सकते हैं
   iii. क्योंकि उनका आत्मविश्वास टूट चुका होता है
   iv. क्योंकि उनमें आत्मविश्वास तो होता है पर उनके पास धनाभाव होता है

II. त्रस्त तथा पराजित लोगों के साथ हमें क्या नहीं करना चाहिए?
   i. उन्हें सहारा देना चाहिए
   ii. उनकी हिम्मत बढ़ानी चाहिए

iii. उनकी परेशानी में आनंदित होना चाहिए

iv. उनके प्रति सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करना चाहिए

III. किन लोगों की लोकप्रियता की परिधि विस्तृत होती जाती है?

i. जो दूसरों की परेशानी का मज़ा लूटते हैं

ii. जो परेशानी के समय दूसरों की मदद करते हैं

iii. जो दूसरों से मीठी-मीठी बातें करते हैं

iv. जो हमेशा व्यक्ति के हृदय के पास रहते हैं

IV. हमारा कौन-सा व्यवहार लोगों के हृदय को बाँध सकता है?

i. जो हम अपने अंतःकरण के बाहर से करते हैं

ii. जिसमें बनावटीपन अधिक हो

iii. जिसमें हृदय से निकली सच्ची भावना होती है

iv. जिसमें ऊपरी शिष्टाचार अधिक होता है

V. 'हृदय' शब्द से बना विशेषण शब्द इनमें से कौन-सा है?

i. हृदयी

ii. हृदयवान

iii. हृदिक

iv. हार्दिक

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

गंगा भारत की एक अत्यंत पवित्र नदी है जिसका जल काफ़ी दिनों तक रखने के बावजूद भी खराब नहीं होता है जबकि साधारण जल कुछ ही दिनों में सड़ जाता है। गंगा का उद्गम स्थल गंगोत्री या गोमुख है। गोमुख से भागीरथी नदी निकलती है और देव प्रयाग नामक स्थान पर अलकनंदा नदी से मिलकर आगे गंगा के रूप में प्रवाहित होती है। भागीरथी के देवप्रयाग तक आते-आते इसमें कुछ चट्टानें घुल जाती हैं जिससे इसके जल में ऐसी क्षमता पैदा हो जाती है जो उसके पानी को सड़ने नहीं देती।

हर नदी के जल में कुछ खास तरह के पदार्थ घुले होते हैं जो उसकी विशिष्ट जैविक संरचना के लिए उत्तरदायी होते हैं। ये घुले हुए पदार्थ पानी में कुछ खास तरह के पदार्थ पनपने देते हैं तो कुछ को नहीं। कुछ खास तरह के बैक्टीरिया ही पानी की सड़न के लिए उत्तरदायी होते हैं तो कुछ पानी में सड़न पैदा करने वाले कीटाणुओं को रोकने में सहायता करते हैं। वैज्ञानिक शोधों से पता चलता है कि गंगा के पानी में भी ऐसे बैक्टीरिया हैं जो गंगा के पानी में सड़न पैदा करने वाले कीटाणुओं को पनपने ही नहीं देते। इसलिए गंगा का पानी काफ़ी लंबे समय तक खराब नहीं होता और पवित्र माना जाता है।

I. गंगा जल साधारण जल से किस तरह भिन्न होता है?

i. उसका जल काफी दिनों तक रखने के बाद भी ख़राब नहीं होता

ii. उसका जल कुछ ही दिनों में सड जाता है

iii. उसका जल पीने योग्य नहीं है

iv. उसका जल पीने योग्य है

II. गंगा का उद्गम स्थल क्या है?

i. पर्वत

ii. हिमालय

iii. गंगोत्री

iv. पहाड़

III. नदी जल में घुले खास पदार्थ क्या योगदान देते हैं?

i. उसे पीने योग्य बनाते हैं

ii. उसमें सडन पैदा करने वाले कीटाणुओं को पनपने से रोकते हैं

iii. उसमें सडन पैदा करने वाले कीटाणुओं को पनपने देते हैं

iv. उसे सुगन्धयुक्त बनाते हैं

IV. देवप्रयाग में आकर गंगा किस नदी से मिलती है?

i. भागीरथी

ii. गोमुख

iii. अलकनंदा

iv. गंगोत्री

V. गद्यांश का उचित शीर्षक होगा -

i. गंगा का महत्व

ii. गंगा

iii. गंगोत्री

iv. गोमुख

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

एक समय एक पश्चिमी वास्तुशिल्पी, जो समाज पर प्रौद्योगिकी के प्रभावों का अध्ययन करते थे, भारत आए। विद्वान की विचारधारा यह थी कि भवन-निर्माण में स्थानीय उपलब्ध साधनों का अधिक-से-अधिक तथा दूर से या विदेश से प्राप्त होने वाले साधनों का कम-से-कम उपयोग होना चाहिए। इससे समाज में गतिशीलता आएगी। उत्पादन में पूरे समाज की भी प्रतिभा का उपयोग होगा और रोजगार में स्थानीय लोगो को अधिक से अधिक हिस्सा मिलेगा। हमारे पश्चिम प्रभावित वास्तुशिल्पी इस वास्तुशिल्पी से काफी हैरान हुए कि वह आधुनिक होकर भी ऐसी बातें करता है। उनमें से कुछ तो संशक हुए हो न हो कि इसमें हमें पिछड़ा बनाए रखने की कोई चाल है।

अतिथि ने पाया कि वह अजनबियों के बीच में घिर गया है, जबकि भारत जैसे ग्राम्य प्रधान समाज में उसके विचारों को सही ढंग से समझने लायक दिमाग होने चाहिए थे, परन्तु वास्तविकता यह थी कि दोनों के मन में आधुनिकता की अवधारणा को लेकर अन्तर था। एक मानता था कि प्रौद्योगिकी का आविष्कार जिस समाज में होता है, वहाँ की न्याय एवं समता की आवश्यकता उस आविष्कार में प्रतिबिम्बित होती है, वह प्रौद्योगिकी मनुष्य को कितना स्वतंत्र छोडती है, वह उन सामाजिक मान्यताओं पर

निर्भर है जिनसे हम प्रौद्योगिकी का आविष्कार एवं चुनाव करते हैं। हमारे लोग यह मानते थे कि जो पश्चिम में हो चुका है, उसकी नकल ही आधुनिकता है। जहाँ तक स्थानीय साधनों से भवन-निर्माण का जो प्रश्न है, वे या तो गंदी बस्तियों की कल्पना कर पाते थे, जहाँ शहरों में उच्छिष्ट लोहा-लंगड़ और गाँव में बचे-खुचे खरपतवार को मिलाकर झोपड़िया बनती हैं या फिर उन आलीशान महलों की जहाँ हस्तशिल्प के सुन्दर नमूनों को उनकी स्वाधीन आवश्यकता और उपयोग और शिल्पी के रोजगार से ही संदर्भ हीन करके सजाया जाता है।

I. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन आधुनिकता की अवधारणा को लेकर अन्तर में प्रयुक्त अन्तर की भारतीय धारणा को स्पष्ट करता है?
   i. आधुनिक साजो-सामान से देश की उन्नति सम्भव है
   ii. पश्चिम की नकल ही आधुनिकता है
   iii. स्थानीय साधनों का प्रयोग पिछड़ापन है
   iv. प्रौद्योगिकी के अविष्कार में सामाजिक न्याय एवं समता की आवश्कता झलकती है।

II. गद्यांश के अनुसार पश्चिमी वास्तुशिल्पी भवन-निर्माण में आधुनिक साधनों के उपयोग पर बल देने से क्या बताता है?
   i. नवीन समाज का निर्माण
   ii. भारतीय वास्तुकला का निखार
   iii. विदेशी मुद्रा की बचत
   iv. उपलब्ध प्रतिभा का उपयोग

III. गद्यांश के अनुसार 'समाज में गतिशीलता आएगी' से क्या तात्पर्य है?
   i. समाज में शीघ्र परिवर्तन होंगे
   ii. समाज का शीघ्र विकास होगा
   iii. समाज में विदेशी साधनों का उपयोग होगा
   iv. समाज की प्रतिभा का अधिक से अधिक एवं उसकी हिस्सेदारी होगी।

IV. गद्यांश के आधार पर कौन-सा कथन सत्य है?
   i. स्थानीय साधनों के उपयोग से समाज में अधिक गतिशीलता आएगी।
   ii. विदेशी सामान के इस्तेमाल पर अधिक बल दिया है।
   iii. स्थानीय साधनों के प्रयोग से विकास की गति रूक जाएगी।
   iv. पश्चिम की नकल से देश की उन्नति संभव है।

V. गद्यांश के अनुसार भारतीय लोग किन बातों को आधुनिकता मानते हैं?
   i. स्वदेश निर्मित सामान के प्रयोग को
   ii. पश्चिम की अंधाधुंध नकल को
   iii. मँहगे सामान के प्रयोग को
   iv. स्थानीय साधनों के प्रयोग को

VI. इस गद्यांश के माध्यम से लेखक पश्चिमी शिल्पी की किस अवधारणा को प्रचारित करना चाहता है?
   i. वास्तुशिल्प में महँगे से महँगा साधन प्रयुक्त करना चाहिए

ii. स्थानीय उपलब्ध साधनों का भवन-निर्माण में अधिकाधिक उपयोग करना चाहिए
iii. पश्चिमी देशों की प्रगति का अंधाकुरण करना चाहिए
iv. पाश्चात्य देश भारत को पिछड़ा बनाए रखना चाहते हैं

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

ऊँची पर्वत श्रृंखलाओं की बरफ़ीली चोटियों के स्पर्श से शीतल हुई हवा सबसे बेखबर अपनी ही मस्ती में सुबह-सुबह बहती जा रही थी। जब वह जंगलों के बीच से गुजर रही थी, तो फूलों से लदी खूबसूरत वन लता ने अपने रंग भरे श्रृंगार को झलकाते हुए कहा, ओ शीतल हवा! तनिक मेरे पास आओ और रुको। ताकि मेरी खुशबू से ओतप्रोत होकर इस संसार को अपठित गद्यांश शीतल ही नहीं, सुगंधित भी कर सको लेकिन गर्व से भरी वायु ने सुगंध बाँटने को आतुर लता की प्रार्थना नहीं सुनी और कहा, मैं यूँ ही सबको शीतल कर दूँगी, मुझे किसी से कुछ और लेने की ज़रूरत नहीं है। फिर वह इठलाती हुई आगे बढ़ गई।

पर कुछ ही देर बाद हवा वापस वहीं लौटकर आ गई, जहाँ वन लता से उसका वार्तालाप हुआ था। उसकी चंचलता खत्म हो चुकी थी और वह उदास थी। वह चुपचाप उस लता के समीप बैठ गई।

हवा को इस हाल में देखकर वन लता ने पूछा, अभी कुछ देर पहले ही तो तुम यहाँ से गुज़री थी और खुश लग रही थी। अब इतनी उदास दिखाई पड़ रही हो, क्या बात है? क्या मैं तुम्हारी कुछ मदद कर सकती हूँ? यह सुनकर हवा की आँखों से आँसू झरने लगे। उसने कहा, मैंने अहंकारवश तेरी बात नहीं सुनी और न तेरी खुशबू को ही साथ लिया, लेकिन जैसे ही आगे बढ़ी, गंदगी और बदबू में घिर गई। किसी तरह वहाँ से बचकर आगे बढ़ी और घरों तक पहुँची, लेकिन वहाँ किसी ने मेरा स्वागत नहीं किया। लोगों ने अपने घरों की खिड़कियाँ और दरवाजे बंद कर लिए। इसमें उनका भी कोई दोष नहीं था।उस गंदे क्षेत्र से गुजरने के कारण मुझमें दुर्गंध व्याप्त हो गई थी। भला दुर्गंधयुक्त वायु का कोई कैसे स्वागत करता?

I. हवा को किस पर घमंड था?
   i. अपनी शीतलता पर
   ii. अपनी गति पर
   iii. अपनी शक्ति पर
   iv. अपनी उड़ान पर
II. लता क्या करने के लिए आतुर थी?
   i. हवा के साथ जाने को
   ii. सुगंध बाँटने को
   iii. लोगों से मिलने को
   iv. घूमने को
III. हवा को किसने रोका और क्यों?
   i. लता ने , क्योंकि वह भी जाना चाहती थी

ii. गंदगी ने, क्योंकि उसे हवा पसंद नहीं थी

iii. लोगों ने, क्योंकि हवा दुर्गन्धयुक्त हो गई थी

iv. पर्वतों ने , क्योंकि वे उसे जाने नहीं देना चाहते थे

IV. गंदगी और बदबू का हवा पर क्या असर पड़ा?

i. हवा सुगन्धयुक्त हो गई थी

ii. हवा दुर्गन्धयुक्त हो गई थी

iii. हवा शीतल हो गई थी

iv. हवा चलनी बंद हो गई थी

V. हवा ने वनलता से क्या सीख लिया होगा?

i. दूसरों की बातों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए

ii. दूसरों की बात नहीं सुननी चाहिए

iii. अकेले नहीं जाना चाहिए

iv. उसे लता के साथ जाना चाहिए

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. वाक्य में कितने प्रकार के पदबंध आते हैं ?

a. पाँच

b. छह

c. तीन

d. चार

ii. 'मीरा **हिंदी की अध्यापिका** है। ' में कौन सा पदबंध है?

a. विशेषण पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. क्रिया पदबंध

d. क्रिया विशेषण पदबंध

iii. 'मैं **कल चार बजे** पहुँच जाऊँगा।' में कौन सा पदबंध है।

a. क्रिया पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. विशेषण पदबंध

d. क्रिया विशेषण पदबंध

iv. 'वह नौकर से कपड़े **धुलवा रही है**।' में कौनसा पदबंध है ?

a. क्रिया विशेषण पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. विशेषण पदबंध

d. क्रिया पदबंध

v. 'विशेषण पदबंध' का उचित उदाहरण कौन सा है ?

a. मैंने एक नई कार खरीदी

b. सब लोग मंदिर गए हैं

c. नृत्य करने वाली लडकियाँ चली गई

d. वह बहुत धीरे चल रही है

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. सुबह पहली बस पकड़ो और शाम तक लौट आओ। (सरल वाक्य)

a. सुबह की पहली बस पकड़ोगे इसलिए शाम तक लौट आओगे।

b. सुबह पहली बस पकड़कर शाम तक लौट आओ।

c. जब सुबह पहली बस पकड़ोगे तो शाम तक लौट आओगे।

d. शाम तक लौट आओगे क्योंकि सुबह की पहली बस पकड़ोगे।

ii. इन वाक्यों में संयुक्त वाक्य की पहचान करो-

a. वर्षा तब हुई, जब सुबह हुई।

b. सुबह होने पर वर्षा होने लगी।

c. सुबह हुई और वर्षा होने लगी।

d. जैसे ही सुबह हुई, वर्षा होने लगी।

iii. जैसे ही घंटी बजी, मेरी आँख खुल गई |(संयुक्त)

a. क्योंकि घंटी बजी, इसलिए मेरी आँख खुल गई |

b. घंटी बजने के कारण मेरी आँख खुल गई |

c. मेरी आँख खुलने का कारण घंटी बजना था |

d. घंटी बजी और मेरी आँख खुल गई |

iv. निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्यों की पहचान कीजिए-

a. क्योंकि नीलू बीमार थी इसलिए बाज़ार नहीं गई।

b. नीलू बीमार थी इसलिए बाज़ार नहीं गई।

c. नीलू बीमार होने के कारण बाज़ार नहीं गई।

d. नीलू तब बाज़ार नहीं गई, जब वह बीमार थी।

v. निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य की पहचान कीजिए-

a. यद्यपि कल छुट्टी है, इसलिए बाज़ार बंद रहेगा।

b. जब छुट्टी होगी, तब बाज़ार बंद रहेगा।

c. छुट्टी होने के कारण बाज़ार बंद रहेगा।

d. कल छुट्टी है अतः बाज़ार बंद रहेगा।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. घुड़दौड़
    a. घोड़ों में दौड़ - तत्पुरुष समास
    b. घोड़ों द्वारा दौड़ - तत्पुरुष समास
    c. घोड़ों की दौड़ - तत्पुरुष समास
    d. घोड़ों पर दौड़ - तत्पुरुष समास
ii. समस्त पदों को अलग-अलग करने की क्रिया को कहते हैं-
    a. समास विच्छेद
    b. समास विग्रह
    c. संधि विग्रह
    d. सामसिक पद
iii. यथासमय
    a. समय के साथ - अव्ययीभाव समास
    b. समय के अनुसार - अव्ययीभाव समास
    c. यथा है जो समय - अव्ययीभाव समास
    d. जो समय सही हो - कर्मधारय समास
iv. जीवन-मरण
    a. जीवन या मरण - द्वंद्व समास
    b. जीवन के समान मरण - कर्मधारय समास
    c. जीवन है जो मरण - द्विगु समास
    d. जीवन और मरण - द्वंद्व समास
v. नीलकंठ
    a. नीला है कंठ जिसका अर्थात शिव - कर्मधारय समास
    b. कंठ में नील - कर्मधारय समास
    c. नीला है जो कंठ - कर्मधारय समास
    d. कंठ जो नील के समान है - कर्मधारय समास

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
i. दो से चार बनाने का गणित
    a. गणित का जानकार
    b. जल्दी-जल्दी वृद्धि का कौशल
    c. गिनती गिनना
    d. दो-तीन-चार गिनना
ii. बहुत प्रभाव होना
    a. तूती चलाना

b. तूती खोलना

c. तूती बोलना

d. तूती बजाना

iii. कक्षा में प्रथम आना है तो तुम्हें खूब ______पड़ेंगे |

a. पापड़ बनाने

b. पापड़ खाने

c. पापड़ बेलने

d. पापड़ पकाने

iv. अयोग्य को कोई वस्तु मिलना

a. अंधे के हाथ मुर्गी लगना

b. अंधे के हाथ बटेर लगना

c. अंधे को कोई वस्तु मिलना

d. अंधे को लाठी मिलना

v. चमड़ी उधेड़ना

a. शरीर से चमड़ी अलग होना

b. बुरी तरह पिटाई करना

c. शरीर पर चोट लगना

d. चमड़ी की कोई बीमारी

7. **निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।**

क्षुधार्थ रंतिदेव ने दिया करस्थ थाल भी,
तथा दधीचि ने दिया परार्थ अस्थिजाल भी।
उशीनर क्षितीश ने स्वमांस दान भी किया,
सहर्ष वीर कर्ण ने शरीर-चर्म भी दिया।
अनित्य देह के लिए अनादि जीव क्या डरे?
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

I. वीर कर्ण ने क्या दान दिया था?

i. अस्थि

ii. शरीर का चर्म

iii. शरीर का मांस

iv. कुछ नहीं

II. उशीनर कौन था?

i. गांधार देश का राजा

ii. एक राजा

iii. दयाल दीनबंधु

iv. एक मनुष्य

III. दधीचि ने अपना अस्थिजाल क्यों दान किया था?

i. अपनी सुरक्षा के लिए

ii. अपने फायदे के लिए

iii. प्रचलित होने के लिए

iv. दूसरों की रक्षा के लिए

IV. क्षुधार्त का क्या अर्थ है?

i. जो दूसरे के लिए हो

ii. मरणशील

iii. भूख से व्याकुल

iv. धन के लिए व्याकुल

8. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

कह दिया- 'समय की पाबंदी' पर एक निबंध लिखो, जो चार पन्नों से कम न हो। अब आप कापी सामने खोले, कलम हाथ में लिये, उसके नाम को रोइए। कौन नहीं जानता कि समय की पाबंदी बहुत अच्छी बात है। इससे आदमी के जीवन में संयम आ जाता है, दूसरों का उस पर स्नेह होने लगता है और उसके कारोबार में उन्नति होती है; लेकिन इस जरा-सी बात पर चार पन्ने कैसे लिखें? जो बात एक वाक्य में कही जा सके, उसे चार पन्ने में लिखने की जरूरत? मैं तो इसे हिमाकत समझता हूँ। यह तो समय की किफायत नहीं, बल्कि उसका दुरुपयोग है कि व्यर्थ में किसी बात को ठूँस दिया। हम चाहते हैं, आदमी को जो कुछ कहना हो, चटपट कह दे और अपनी राह ले। मगर नहीं, आपको चार पन्ने रंगने पड़ेंगे, चाहे जैसे लिखिए। और पन्ने, भी पूरे फुलस्केप आकार के। यह छात्रों पर अत्याचार नहीं तो और क्या है? अनर्थ तो यह है कि कहा जाता है, संक्षेप में लिखो। समय की पाबंदी पर संक्षेप में एक निबंध लिखो, जो चार पन्नों से कम न हो। ठीक! संक्षेप में चार पन्ने हुए, नहीं शायद सौ-दो सौ पन्ने लिखवाते। तेज भी दौड़िये और धीरे-धीरे भी। है उल्टी बात या नहीं? बालक भी इतनी-सी बात समझ सकता है, लेकिन इन अध्यापकों को इतनी तमीज भी नहीं। उस पर दावा है कि हम अध्यापक है।

I. जो बात एक वाक्य में कही जा सके, उसे चार पन्नों में लिखने की जरूरत? इस कथन के माध्यम से किस तरफ इशारा किया जा रहा है।

i. शिक्षा व्यवस्था की कमी

ii. अध्यापकों की सनक

iii. छोटे भाई पर आरोप

iv. समय की पाबंदी

II. छात्रों पर अत्याचार क्या है?

i. उन्हें निबंध लिखने को कहना

ii. उन पर जबरदस्ती कोई काम थोपना

iii. उन्हें कक्षा में फेल कर देना

iv. समय की बर्बादी कराना

III. समय की पाबंदी से क्या नहीं होता है?

i. जीवन में संयम आना

ii. कारोबार में उन्नति होना

iii. आपके प्रति लोगों में स्नेह

iv. उल्टी बात करना

IV. समय का दुरुपयोग क्या है?

i. समय का सही उपयोग करना

ii. बेवजह परेशान करना

iii. छात्रों पर अत्याचार

iv. परीक्षा लेना

V. अध्यापक होने का दावा गलत क्यों है?

i. कक्षा में नहीं पढ़ाने से

ii. अपने को श्रेष्ठ कहने से

iii. बच्चों से भी कम अक्ल होने से

iv. तमीज नहीं होने से

9. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

मगर टाइम-टेबिल बना लेना एक बात है, उस पर अमल करना दूसरी बात। पहले ही दिन उसकी अवहेलना शुरू हो जाती। मैदान की वह सुखद हरियाली, हवा के हलके-हलके झोंके, फुटबाल की वह उछल-कूद, कबड्डी के वह दाँव-घात, वॉलीबाल की वह तेज़ी और फुरती, मुझे अज्ञात और अनिवार्य रूप से खींच ले जाती और वहाँ जाते ही मैं सब कुछ भूल जाता। वह जानलेवा टाइम-टेबिल, वह आँखफोड़ पुस्तकें, किसी की याद न रहती और भाई साहब को नसीहत और फ़जीहत का अवसर मिल जाता। मैं उनके साये से भागता, उनकी आँखों से दूर रहने की चेष्टा करता, कमरे में इस तरह दबे पाँव आता कि उन्हें खबर न हो। उनकी नज़र मेरी ओर उठी और मेरे प्राण निकले। हमेशा सिर पर एक नंगी तलवार-सी लटकती मालूम होती। फिर भी जैसे मौत और विपत्ति के बीच भी आदमी मोह और माया के बंधन में जकड़ा रहता है, मैं फटकार और घुड़कियाँ खाकर भी खेल-कूद का तिरस्कार न कर सकता था।

I. टाइम टेबल कितने दिनों तक चलता है?

i. एक दिन

ii. तीन दिन

iii. आधा दिन

iv. पाँच दिन

II. छोटा भाई किसके साये से भागता था?

i. किताबों के

ii. बड़े भाई के

iii. तलवार के

iv. खेल कूद के

III. उपरोक्त गद्यांश में माया मोह किसके लिए कहा गया है?

i. खेल कूद के लिए

ii. पढ़ाई के लिए

iii. फटकार के लिए

iv. परीक्षा के लिए

IV. छोटा भाई कहाँ जाकर सब कुछ भूल जाता था?

i. स्कूल जाकर

ii. लाइब्रेरी जाकर

iii. मैदान में जाकर

iv. घर

V. छोटा भाई किसका तिरस्कार नहीं कर सकता था?

i. बड़े भाई का

ii. खेल कूद का

iii. परीक्षा का

iv. मार खाने का

खंड-ब वर्णनात्मक प्रश्न

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:

i. छोटे भाई ने बड़े भाई साहब के नरम व्यवहार का क्या फ़ायदा उठाया? बड़े भाई साहब पाठ के आधार पर लिखिए।

ii. द्वीप समूह के बारे में निकोबारियों का विश्वास तताँरा-वामीरो की कथा के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

iii. सुलेमान की उदारता का वर्णन कीजिए। अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले पाठ के आधार पर बताइए।

11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए:

मैथिलीशरण गुप्त ने गर्व-रहित जीवन बिताने के लिए क्या तर्क दी हैं?

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:

i. शिक्षक की ट्रेनिंग के दौरान बाल-मनोविज्ञान विषय पढ़ने पर लेखक ने कैसा महसूस किया? सपनों के-से दिन पाठ के आधार पर लिखिए।

ii. हरिहर काका की अपने परिवार के सदस्यों से मोहभंग की शुरुआत किस प्रकार हुई? क्या यह मोहभंग उचित था?

iii. टोपी ने इफ्फ़न से दादी बदलने की बात क्यों की? टोपी शुक्ल पाठ के आधार बताइए।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. **सत्यमेव जयते** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।

- भाव

- झूठ के पाँव नहीं होते
- सत्य ही परम धर्म

ii. **मेरे सपनों का भारत** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- भारत के बारे में मेरे विचार
- सांप्रदायिकता आदि से मुक्त उन्नत भारत की चाह
- सुखी समृद्ध भारत

iii. **भारतीय नारी कि महत्ता** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- करुणा, माया और ममता की मूर्ति
- अनंत गुणों से परिपूर्ण
- ऐतहासिक संदर्भ
- भारतीय और पाश्चात्य नारी में अंतर।

14. जिला उपायुक्त को पत्र लिखिए जिसमें विद्यार्थियों की पढ़ाई में होने वाली हानि के संदर्भ में शहर के सिनेमाघरों में प्रातःकालीन शो को बंद करने का निवेदन किया गया हो।

OR

आपके विद्यालय में कैंटीन की व्यवस्था करवाने के लिए प्रधानाचार्या को 80-100 शब्दों में धन्यवाद-पत्र लिखिए।

15. अपनी बस्ती को स्वच्छ रखने हेतु कल्याण समिति के सचिव होने के नाते इससे संबंधित सूचना 40-50 शब्दों में लिखिए।

OR

आप जिस सोसायटी में रहते हैं वहाँ रहने वाले बच्चों को 26 जनवरी 'गणतंत्र दिवस' पर किसी सांस्कृतिक गतिविधि में भाग लेने के लिए आग्रह करते हुए सांस्कृतिक अधिकारी की ओर से 20-30 शब्दों में सूचना लिखिए।

16. ऑनलाइन शॉपिंग डॉट कॉम कंपनी की ओर से ऑनलाइन खरीदारी के बारे में जानकारी देते हुए कंपनी की ओर से लगभग 25-50 शब्दों में विज्ञापन लेखन कीजिए।

OR

कोई कंपनी **लेखनी** नाम का नया पेन बाज़ार में लाना चाहती है। उसके लिए लगभग 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

17. **लॉकडाउन में गरीब** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

OR

काश मेरे पंख होते विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

CBSE Class 10 - Hindi B
Sample Paper 06 (2020-21)

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. I. (iii) क्योंकि उनका आत्मविश्वास टूट चुका होता है
   II. (iii) उनकी परेशानी में आनंदित होना चाहिए
   III. (ii) जो परेशानी के समय दूसरों की मदद करते हैं
   IV. (iii) जिसमें हृदय से निकली सच्ची भावना होती है
   V. (iv) हार्दिक।

OR

   I. (i) उसका जल काफी दिनों तक रखने के बाद भी ख़राब नहीं होता
   II. (iii) गंगोत्री
   III. (ii) उसमें सडन पैदा करने वाले कीटाणुओं को पनपने से रोकते हैं
   IV. (iii) अलकनंदा
   V. (i) गंगा का महत्व

2. I. (iii) स्थानीय साधनों का प्रयोग पिछड़ापन है
   II. (iv) उपलब्ध प्रतिभा का उपयोग
   III. (iv) समाज की प्रतिभा का अधिक से अधिक एवं उसकी हिस्सेदारी होगी।
   IV. (i) स्थानीय साधनों के उपयोग से समाज में अधिक गतिशीलता आएगी।
   V. (ii) पश्चिम की अंधाधुंध नकल को
   VI. (ii) स्थानीय उपलब्ध साधनों का भवन-निर्माण में अधिकाधिक उपयोग करना चाहिएअप्रत्यक्ष

OR

   i. (i) अपनी शीतलता पर
   ii. (ii) सुगंध बाँटने को
   iii. (iii) लोगों ने, क्योंकि हवा दुर्गन्धयुक्त हो गई थी
   iv. (ii) हवा दुर्गन्धयुक्त हो गई थी
   v. (i) दूसरों की बातों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. (a) पाँच

Explanation: संज्ञा पदबंध, सर्वनाम पदबंध, विशेषण पदबंध, क्रिया विशेषण पदबंध, क्रिया पदबंध

ii. (b) संज्ञा पदबंध

Explanation: संज्ञा पद में यदि विशेषण पद जोड़ दिया जाता है तो संज्ञा पदबंध बन जाता है।

iii. (d) क्रिया विशेषण पदबंध

Explanation: वह पदबंध जो क्रियाविशेषण पद के स्थान पर प्रयुक्त होकर वही कार्य करता है जो अकेला एक क्रियाविशेषण पद कर रहा था, तब उसे क्रिया विशेषण पदबंध कहते हैं।

iv. (d) क्रिया पदबंध

Explanation: कोई भी 'क्रिया' शब्द जब वाक्य में प्रयुक्त होता है तब उसमें 'सहायक क्रिया ' के प्रत्यय जुड़ते हैं। इस तरह मुख्य क्रिया तथा सहायक क्रिया से युक्त पूरी रचना अपने में पदबंध ही होती है।

v. (a) मैंने एक नई कार खरीदी

Explanation: क्योंकि इसमें विशेषण का समूह आया है अतः यही विशेषण पदबंध का सही उदाहरण है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (b) सुबह पहली बस पकड़कर शाम तक लौट आओ।

Explanation: यह विकल्प सही है।

उद्देश्य- सुबह पहली बस

विधेय- पकड़कर शाम तक लौट आओ।

ii. (c) सुबह हुई और वर्षा होने लगी।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि संयुक्त वाक्य में दो सरल वाक्य 'योजक' शब्दों द्वारा जुड़े होते हैं और उनका अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है। इस विकल्प में 'और' योजक शब्द का प्रयोग दो वाक्यों को जोड़ने के लिया किया जा रहा है, इसलिए यह संयुक्त वाक्य है।

iii. (d) घंटी बजी और मेरी आँख खुल गई |

Explanation: यह विकल्प सही है | क्योंकि दो स्वतंत्र वाक्यों को ' और' संयोजक शब्द से जोड़ा गया है।

iv. (b) नीलू बीमार थी इसलिए बाज़ार नहीं गई।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि दोनों वाक्य 'इसलिए' योजक से जुड़े हैं पर वे एक दूसरे पर आश्रित नहीं हैं। वे दोनों अपने स्वतंत्र अर्थ को स्पष्ट कर रहे हैं।

v. (d) कल छुट्टी है अतः बाज़ार बंद रहेगा।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि दोनों वाक्य 'अतः' योजक शब्द से जुड़े हैं और दोनों अपने स्वतंत्र अर्थ को स्पष्ट कर रहे है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (c) घोड़ों की दौड़ - तत्पुरुष समास

Explanation: स्पष्टीकरण-यहाँ सभी भेद तत्पुरुष समास के दिए गए हैं पर यह विकल्प सही है लेकिन उपयुक्त विग्रह घोड़ों की दौड़ - तत्पुरुष समास है, क्योंकि यह घोड़ों और दौड़ के मध्य संबंध दर्शा रहा है। यह तत्पुरुष भेद के अंतर्गत 'संबंध तत्पुरुष' का उदाहरण है।

ii. (b) समास विग्रह

Explanation: समास विग्रह

उदाहरण= यशप्राप्त - यश को प्राप्त

समस्त पद = समास विग्रह

iii. (b) समय के अनुसार - अव्ययीभाव समास

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि यह विकल्प 'यथा और समय' के योग से बना है और इसका पूर्व पद 'यथा' अव्यय है इसलिए इसका विग्रह 'समय के अनुसार' और समास 'अव्ययीभाव' होगा।

iv. (d) जीवन और मरण - द्वंद्व समास

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि यहाँ दोनों पद प्रधान हैं और दो समुच्चयबोधक अव्ययों- और, या में से 'और' सर्वथा उचित है।

v. (c) नीला है जो कंठ - कर्मधारय समास

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि इस विकल्प में दोनों पदों में विशेषण-विशेष्य का संबंध है और उत्तर पद 'कंठ' मुख्य है जिसकी विशेषता पूर्व पद 'नीला' में बताई जा रही है।

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (b) जल्दी-जल्दी वृद्धि का कौशल

Explanation: जल्दी-जल्दी वृद्धि का कौशल - दो से चार बनाने का गणित सबको नहीं आता।

ii. (c) तूती बोलना

Explanation: तूती बोलना - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सम्पूर्ण विश्व में तूती बोलती है।

iii. (c) पापड़ बेलने

Explanation: पापड़ बेलने - कई तरह के उपाय (येन-केन प्रकारेण)

iv. (b) अंधे के हाथ बटेर लगना

Explanation: अंधे के हाथ बटेर लगना - चोर रामू को जब पहरेदारी का काम मिला तो मानो अंधे के हाथ बटेर लग गया।

v. (b) बुरी तरह पिटाई करना

Explanation: बुरी तरह पिटाई करना - पुलिस वालों ने बदमाशों की चमड़ी उधेड़ दी।

7. I. (ii) शरीर का चर्म

II. (i) गांधार देश का राजा

III. (iv) दूसरों की रक्षा के लिए

IV. (iii) भूख से व्याकुल

8. I. (i) शिक्षा व्यवस्था की कमी

II. (ii) उन पर जबरदस्ती कोई काम थोपना

III. (iv) उल्टी बात करना

IV. (ii) बेवजह परेशान करना

V. (ii) बच्चों से भी कम अक्ल होने से

9. I. (i) आधा दिन

II. (ii) बड़े भाई के

III. (i) खेल कूद के लिए

IV. (iii) मैदान में जाकर

V. (ii) खेल कूद का

खंड-ब वर्णनात्मक प्रश्न

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:

i. छोटे भाई ने बड़े भाई साहब के नरम व्यवहार का फ़ायदा उठाते हुए पढ़ाई-लिखाई बिलकुल छोड़ दी और अपनी मनमानी पर उतर आया। वह बड़े भाई से छिपकर दूसरे बच्चों के साथ पतंगबाज़ी में लग जाता। उसे विश्वास हो गया कि वह पढ़े न पढ़े पास हो जाएगा।

ii. द्वीप समूह के बारे में निकोबारियों को यह विश्वास है कि प्राचीन काल में अंदमान द्वीप समूह का अंतिम दक्षिणी द्वीप- लिटिल अंदमान और कार निकोबार ये दोनो द्वीप एक ही हुआ करते थे। किंतु वे आज एक दूसरे से दूर हो गए हैं | आज उनमें 96 किलोमीटर का अंतर है। उनके अलग होने के पीछे एक लोककथा है जो आज भी वहां बताई जाती है।

iii. ईसा से 1025 वर्ष पहले सुलेमान नामक एक अत्यंत दयालु बादशाह थे | वे मानवों के ही नहीं, अपितु अन्य जीव-जन्तुओं के भी मालिक थे तथा उन सबकी भाषा भी जानते थे | एक बार वे अपने लश्कर के साथ कहीं जा रहे थे | रास्ते में चींटियों को घोड़े कि टापों से भयभीत होकर भागते देखकर सुलेमान ने चींटियों को कहा कि वे भयभीत न हों। उसका जन्म सभी की रक्षा और मुहब्बत के लिए हुआ है। सुलेमान के इस वक्तव्य और व्यवहार से हमें उनकी उदारता का परिचय मिलता है।

11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए: "रहा न भूल के कभी मदांध तुच्छ वित्त में,
सनाथ जान आपको करो न गर्व चित्त में।"

प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से कवि ने हमें गर्व-रहित जीवन व्यतीत करने की सलाह दी है। हमें तुच्छ धन-संपत्ति पर अहंकार कर मनुष्यता की प्रवृतियों की अवहेलना नहीं करनी चाहिए। अपनी मदांधता में स्वयं की वर्चस्वशाली तथा अन्य लोगों को अनाथ समझने की भूल कदापि नहीं करनी चाहिए। मनुष्य-मनुष्य को समान समझते हुए, सृष्टि की एकता को समझना है और वह किसी को अनाथ नहीं रहने देता, क्योंकि उसकी विशाल भुजाएँ हमेशा सहायता के लिए उठी रहती हैं।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:

i. पाठ के अनुसार लेखक अपने बाल्यकाल में मित्रों के साथ खेलने के लिए किसी भी बाधा को पार कर सकते थे। वे डाँट खाने के बावजूद भी खेलना नहीं छोड़ना चाहते थे और उनके मित्रों का भी यही हाल था।

शिक्षक की ट्रैनिंग के दौरान बाल - मनोविज्ञान पढ़ने पर लेखक ने महसूस किया कि बाल्यकाल में सभी बच्चों कि मनोःस्थिति वैसी ही होती है, जैसी कि उनकी और उनके मित्रों की थी। बच्चों को जिस कार्य के लिए रोका जाता है, उस कार्य को वे और करना पसंद करते हैं। अभिभावक विशेष तौर पर जिस चीज से सावधान रहने के लिए कहते हैं, बच्चे उस चीज को एक बार देखने का प्रयास जरूर करते हैं ।

ii. भाइयों के परिवार के प्रति हरिहर काका का मोहभंग तब शुरू हुआ, जब उनके भाइयों की पत्नियों बहुवों तथा बच्चों ने

उन्हें पूछना बंद कर दिया। एक बार जब वे बीमार हुए थो कोई उन्हें पानी देने वाला भी न रहा। बच्चे धमा चौकड़ी मचाते रहते। औरतें ध्यान न देतीं। भाई खेतों में चले जाते। तब उन्हें अपनी जरुरतें पूरी करने के लिए स्वयं कष्ट उठाना पड़ा। तब उन्हें अपनी मृत पत्नियों की बहुत याद आई तभी उनका अपने भाइयों के परिवारों से मोहभंग होना शुरू हो गया |

iii. टोपी को इफ़्फ़न की दादी से अत्यधिक प्यार मिला था। टोपी को उनके पास रहना अच्छा लगता था। दादी की भाषा, उनका भोलापन उसे अच्छा लगता। टोपी को अपनी दादी से नफ़रत थी।
उसकी दादी अपने आप को अच्छे रूप में पेश करने के लिए टोपी की भाषा को गँवारों की बोली कहतीं तथा तमाम अवसरों पर टोपी की उपेक्षा करती रहतीं। टोपी ने दादी का असली रूप इफ़्फ़न की दादी में देखा था। इसलिए उसने इफ़्फ़न के सामने दादी बदलने की बात की। यह बच्चों के भोलेपन का सुंदर नमूना है तथा प्रेम की चाहत का स्वाभाविक चित्रण भी।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. 'सत्यमेव जयते' मुंडकोपनिषद से लिया गया यह वाक्य भारत का राष्ट्रीय वाक्य है। इस वाक्य का अर्थ है- 'सत्य ही जीतता है।' सत्य की जीत और झूठ की हार की कहानियाँ सब लोग बचपन से सुनते-सुनाते आ रहे हैं, फिर भी बहुत कम लोग सत्य के पक्ष में खड़े होने का साहस दिखाते हैं। सत्य कटु होता है, अप्रिय होता है, अरुचिकर होता है और सबसे बड़ी बात सत्य होते हुए भी इसे अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ता है परन्तु अंत में सत्य ही जीतता है। झूठ कभी स्थायी रूप से अपना प्रभाव बनाए नहीं रख सकता, क्योंकि उसके पाँव नहीं होते, वह हमेशा दूसरों के सहारे चलता है। सत्य हमारे चारों ओर हैं, जिन्हें हम देखते हैं और सत्य ही सबसे बड़ा धर्म है। महाभारत में सत्य को स्वर्ग का सोपान बताया गया है-सत्यं स्वर्गस्य सोपानम्। सत्य की अलौकिक महिमा के कारण ही पंडित मदन मोहन मालवीय ने राष्ट्रीय स्तर पर 'सत्यमेव जयते' मन्त्र का प्रचार किया और इसे भारत का राष्ट्रीय वाक्य घोषित किया गया।

ii. भारत देश मुझे अपने प्राणों से भी अधिक प्रिय है। मुझे अपने भारतीय होने पर गर्व का अनुभव होता है। मेरा देश संसार के सभी देशों से निराला है और संसार के सब देशों से प्यारा है। मैं भारत को विश्व के शक्तिशाली देश के रूप में देखना चाहता हूँ। मैं ऐसे भारत का सपना देखता हूँ, जो भ्रष्टाचार, शोषण और हिंसा से मुक्त हो। मेरे सपनों का भारत 'सुशिक्षित भारत' है। उसमें अनपढ़ता, निरक्षरता और बेरोज़गारी का कोई स्थान नहीं है। मैं चाहता हूँ कि हमारे देश के नियोजक ऐसी शिक्षा लागू करें, जिसके बाद व्यवसाय या नौकरियाँ सुरक्षित हों। कोई भी व्यक्ति अशिक्षित न हो और कोई भी शिक्षित बेरोज़गार न हो। मैं चाहता हूँ कि भारत सांप्रदायिक दंगों-झगड़ों से दूर रहे। सब में आपसी भाईचारा और प्रेम का संबंध हो। राष्ट्रीय एकता का संचार हो। जो सम्मान भारत का प्राचीन काल में था वही सम्मान मैं पुनः उसे प्राप्त कराना चाहता हूँ।
मैं फिर से रामराज्य की कल्पना करता हूँ, जिसमें सभी लोगों को जीने के समान अवसर प्राप्त हो सकें। भारत एक बार फिर 'सोने की चिड़िया' बन जाए। मेरे सपनों का भारत वह होगा, जो राजनीतिक आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और वैज्ञानिक आदि विभिन्न दृष्टियों से उन्नति के पथ पर अग्रसर होगा। भावी भारत के सपनों की पूर्णता के लिए आवश्यक है कि हमारे देश का प्रत्येक नागरिक देश की प्रत्येक कुरीति को समूल नष्ट करने का दृढ़ संकल्प करें।

iii. भारतीय नारी दया, करुणा, ममता और प्रेम की पवित्र मूर्ति है और वक्त पड़ने पर वह प्रचंड चंडी भी बन जाती है। सृष्टि के आरंभ में ही अनंत गुणों का आगार रही है जिसकी गौरवगाथा से भारतीय धार्मिक साहित्य एवं इतिहास के पन्ने भरे हुए हैं। पृथ्वी की-सी क्षमता, सूर्य जैसा तेज, समुद्र की-सी गंभीरता, पर्वतों की-सी मानसिक उच्चता तथा चन्द्रमा की-सी शीतलता हमें एक साथ नारी के हृदय में दृष्टिगोचर होती है। गार्गी, मैत्रीय, अनुसूया, अहिल्या, सीता, द्रौपदी, रुक्मिणी, तारा, मंदोदरी, कुंती, गांधारी अदि अनेक ऐसी नारियाँ हैं जिन पर भारतवासी गर्व करते हैं और उनके पावन चरित्रों को सुनते-सुनते हुए

प्रेरणा लेते हैं। स्वतंत्रता संग्राम का श्रीगणेश झाँसी की रानी के कर कमलों से संपन्न हुआ था। राजनीतिक क्षत्र में भी भारतीय नारी सदा अंग्रिम पंक्ति में रही है। भारतीय नारी आज भी पाश्चात्य नारी की अपेक्षा कहीं अधिक सहनशील तथा संतोषी है। इस वजह से कई ऐसे प्रवासी भारतीय हैं जो भारिय नारी को अपना जीवन साथी बनाना उचित समझते हैं। इस देश की नारी की लग्न और निष्ठा देखकर कहा जा सकता है कि उसका भविष्य उज़्वल है।

14. प्रति,

उपायुक्त,

गुरुग्राम

विषय- विद्यार्थियों के हित शहर के सिनेमाघरों में प्रातःकालीन शो बंद करने हेतु।

महोदय,

मैं आपका ध्यान इस नगर के सिनमाघरों में चलने वाले प्रातःकालीन शो, जो नौ बजे प्रारंभ हो जाता है, की ओर दिलाना चाहता हूँ। इस शो में फ़िल्म देखने वाले दर्शकों में लगभग 80 प्रतिशत स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी होते हैं। वे अपनी कक्षाएँ छोड़कर फ़िल्म देखने जाते हैं। फ़िल्म देखकर स्कूल अथवा कॉलेज के बंद होने के समय वे अपने-अपने घर व गाँव चले जाते हैं। इस प्रकार उनके माता-पिता को उनके द्वारा कक्षाओं से अनुपस्थित रहकर फ़िल्म देखने की बुरी लत का पता भी नहीं चलता। विद्यालयों के प्राचार्यों द्वारा उनके विरुद्ध की गई अनुशासनात्मक कार्यवाही भी विशेष प्रभावकाल नहीं हो पाई।

विद्यार्थियों की यह अवस्था अपरिपक्व होती है। वे अपने हित-अहित को नहीं सोच पाते। अतः आपसे निवेदन है कि आप यहाँ सिनेमाघरों में होने वाले प्रातःकालीन शो पर प्रतिबंध लगाने का कष्ट करें।

भवदीय,

हस्ताक्षर . . . .

(मोहित महेश्वरी)

अध्यापक

हिंदी विभाग,

कृत सीनियर सेकेंडरी स्कूल,

गुरुग्राम

OR

प्रधानाचार्य जी,

श्री गोविन्दम् विद्यालय,

गोविन्द नगर,

दिनांक- 21-08-2020

विषय : विद्यालय में कैंटीन की व्यवस्था करवाने के लिए प्रधानाचार्य को पत्र।

महोदया जी,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय में कक्षा दसवीं (बी) का छात्र हूँ। मैं आप से अपने विद्यालय में कैंटीन की व्यवस्था करवाने के लिए आग्रह करना चाहता हूँ। हमारे विद्यालय कैंटी न होने के कारण हमें बाहर से खाने की चीज़े लेनी पड़ती

है। उन चीजों के बारे में हमें पता नहीं होता की वह साफ है या नहीं। बाहर से खरीद कर खाने से हमारे स्वास्थ्य को नुकसान हो सकता है। यदि हमारे विद्यालय में कैंटीन की व्यवस्था होगी तो वहाँ स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाएगा और हम शुद्ध और स्वच्छ खाना खा सकेगें है। मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप मेरी बात पर जल्दी ही अवश्य विचार करेंगे।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शिष्य

प्रदीप रस्तौगी

दसवीं (बी)

15.

गोविन्द नगर, हरिजन बस्ती

आवश्यक सूचना

तिथि - 21-08-20

विदित हो कि दिनांक 29-08-20 शनिवार को दोपहर 12 बजे से दोपहर 3 बजे तक कॉलोनी के आसपास के स्थानों को स्वच्छ करने तथा स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक बनाने व स्वच्छता का महत्त्व समझाने के लिए एक अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए स्वयं कॉलोनी के सभी निवासियों से अनुरोध है कि वे इस स्वच्छता अभियान में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएँ। इस अभियान में हमारे साथ नगर के अन्य सरकारी सफाई कर्मचारी और सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल होंगे।

सधन्यवाद

निवेदक

अध्यक्ष

कल्याण परिषद

OR

अग्रदूत सोसायटी, आदर्श नगर, दिल्ली

सूचना

दिनांक 26 दिसंबर, 20XX

गणतंत्र दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने संबंधी सूचना

सोसायटी के सभी बच्चों को सूचित किया जाता है कि 26 जनवरी गणतंत्र दिवस पर सुबह 11:00 बजे हमारी सोसायटी के प्रांगण में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में लोक नृत्य प्रतियोगिता व देश-भक्ति की कविताओं की प्रतियोगिता रखी गई है। सभी इच्छुक बच्चे इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। इस आयोजन में भाग लेने की अंतिम तिथि 20 जनवरी, 20XX है।

अभय चौधरी

सांस्कृतिक अधिकारी।

16.

अब घर बैठे कीजिए शॉपिंग

ऑनलाइन शॉपिंग डॉट कॉम

अपनी मनपसंद वस्तु चुनिए और तुरंत ऑर्डर कीजिए

बस एक क्लिक कीजिए और ऑनलाइन शॉपिंग का मजा लीजिए

- सभी उत्पादों पर कैश ऑन डिलीवरी की सुविधा
- कोई सर्विस चार्ज नहीं
- कस्टमर फ्रेंडली रिटर्न पॉलिसी

अधिक जानकारी के लिए लॉग इन कीजिए: onlineshopping.com

OR

'लेखनी' पेन है वहाँ, शिक्षा है जहाँ

बच्चों के लिए ज्ञान का, युवाओं के लिए व्यवसाय का, बुजुर्गों के लिए लेखन का बेजोड़ साधन

आ गई! आ गई! आ गई! सबकी प्यारी 'लेखनी' पेन हमारी

सबसे सस्ती और सबसे अधिक उपयोगी 'लेखनी' पेन तुम्हारी

सबकी प्यारी 'लेखनी' पेन हमारी!

चले सबसे ज्यादा और रखे आपको सबसे आगे

10रु. से 25 रु. के दो मूल्य वर्ग में उपलब्ध।

प्रथम 75 खरीदारी पर विशेष उपहार का प्रबंध

शहर के सभी ज़नरल स्टोर पर उपलब्ध मूल्य

संपर्क सूत्र- 98765XXXX

लेखनी पेन! लेखनी पेन! लेखनी पेन! लेखनी पेन!

17. **लॉकडाउन में गरीब**

ये वाकया उस वक्त का है जब पूरे देश में कोरोना के कारण लॉकडाउन लगा हुआ था। मैं जहाँ रहता हूँ, वहाँ से थोड़ी दूर एक बस्ती है जिसमें गरीब मजदूर रहते हैं। हुआ ऐसा कि एकदिन मैं वहाँ से गुजर रहा था, तो मैंने एक झोपड़े से कुछ आवाजें सुनी। उस घर के बच्चे भूखे थे और वे खाना माँग रहे थे। मैंने पास ही खड़े एक आदमी से पूछा कि कुछ कठिनाई है क्या? मेरी बात सुनकर वो बोला कि बंदी होने के कारण सारे काम बंद हैं और काम नहीं होने के कारण हमें पैसे नहीं मिल रहे हैं।
लगभग पूरे बस्ती की यही स्थिति थी कि सभी घरों में खाने की सामग्री या तो नहीं थी या फिर बहुत कम थी। इस पर मैंने उनसे पूछा कि सरकार ने तो सभी के लिए खाने की व्यवस्था मुफ्त में की है, तो उनमें से एक ने कहा कि हम अपना राशन लेने के लिए गए थे लेकिन हमें कुछ भी नहीं मिला और हमें बताया गया कि अनाज आया ही नहीं है।
मैं और मेरे कुछ दोस्तों ने मिलकर इनकी मदद करने की ठानी। हम सभी अपने घरों से कुछ राशन लेकर आए और आस पास और लोगों को भी मदद के लिए प्रोत्साहित किया ताकि 2-3 दिन के लिए उन्हें भोजन मिल जाए। इसी बीच एक NGO ने आकर उनके भोजन की व्यवस्था करने का भरोसा दिया।

OR

काश मेरे पंख होते

आज लॉकडाउन हुए एक महीना पूर्ण हो चुका था छात्रावास की खिड़की पर बैठा गिरीश बहुत उदास था क्योंकि अभी थोड़ी देर पहले मोबाइल पर पापा का फोन आया था कि उसके दादाजी की तबियत बहुत खराब है वे किसी तरह उन्हें अस्तपताल लेकर जा रहे थे। रह-रहकर दादाजी का चेहरा उसकी आँखों के सामने आ रहा था | तभी उसकी नजर सामने बगीचे में फुदकती गौरैया पर पड़ी वह कभी उड़कर इधर तो कभी उधर जा रही थी थोड़ी देर के लिए गिरीश ख्यालों में खो गया कि "काश! मेरे पंख होते" तों मैं उड़कर दादाजी के पास पहुँच जाता, उनको अपनी सेवा से खुश कर देता। तरह-तरह के रोचक किस्से सुनाता जैसे वे बचपन में सुनाते थे। उसे घर की भी बहुत याद आ रही थी, छात्रावास की चारदीवारी में रहते-रहते वह ऊब गया था। वही चेहरे, वही खाना उसका मन नही लग रहा था। काश उसके पंख होते तो गाँव के लहलहाते खेत में टहलता , घर के आँगन में फुदकता माँ के हाथों का गरमा-गरम खाना खाता। "काश! मेरे पख होते" सोचते-सोचते गिरीश गहरी नींद में सो गया।